संरक्षक

प्रो. केशरी लाल वर्मा

कुलपति

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

अध्यक्ष

प्रो. शैल शर्मा

प्रोफेसर एवं अध्यक्ष

94242 - 16090

संगोष्ठी संयोजक

डॉ. मधुलता बारा

सहायक प्राध्यापक हिंदी

94255 - 42755

literaturelanguage64@gmail.com

आयोजन सचिव

डॉ. गिरजा शंकर गौतम

सहायक प्राध्यापक हिंदी

94242 - 29233

विशेष सहयोग

प्रो.राजेश दुबे

94062 - 37888

डॉ. सुधीर शर्मा

90390 - 58748

आमंत्रित वक्तागण

प्रो. मोहन–दिल्ली
प्रो करूणा शंकर उपाध्याय–मुंबई
प्रो. अरूण होता–कोलकाता
प्रो. सूरज पालीवाल–नागपुर
प्रो. कुमार पंकज–लखनऊ
प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी–सागर
प्रो. शैलेन्द्र शर्मा–उज्जैन
प्रो. दिनेश कुशवाह–रीवा
श्री ईश्वर चंद्र 'दोस्त'–भोपाल
प्रो. राजेन्द्र मिश्र–रायपुर
प्रो. चितरंजन कर–रायपुर
प्रो. मृदुला शुक्ल– खैरागढ़
प्रो. सियाराम शर्मा–दुर्ग

आमंत्रण

राष्ट्रीय संगोष्ठी

हिंदी साहित्य और गाँधीवाद

22, 23 एवं 24 अक्टूबर 2019

प्रति,

.....

.....

.....

.....

आयोजक

साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला,
पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़

कार्यक्रम–स्थल

प्रेक्षागृह

पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

NAAC with Grade A

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय
रायपुर छत्तीसगढ़

राष्ट्रीय संगोष्ठी

हिंदी साहित्य और गाँधीवाद

22, 23 एवं 24 अक्टूबर 2019

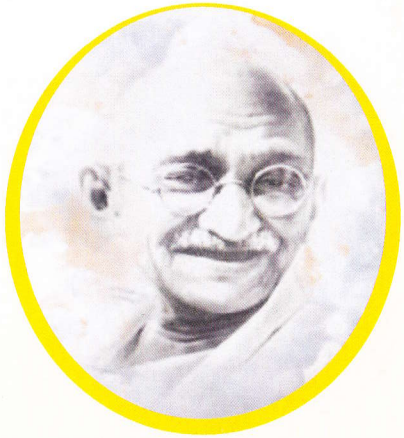

आयोजक

साहित्य एवं भाषा–अध्ययनशाला,
पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय,
रायपुर छत्तीसगढ़ 492010

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला,
पं .रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छ. ग.)

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की स्थापना मध्यप्रदेश अधिनिमय No. 13 of 1963 के अंतर्गत 1 मई 1964 को अविभाजित मध्यप्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री के नाम पर की गई। यह विश्वविद्यालय छत्तीसगढ़ राज्य का प्रमुख विश्वविद्यालय है। विश्वविद्यालय में अध्यायपन कार्य 10 नवंबर 1965 से पाँच अध्ययन शालाओं से आरंभ हुआ,उनमें से भाषाविज्ञान एक है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में 29 अध्ययन शालाएँ हैं।

वर्तमान में साहित्य एवं भाषा–अध्ययन शाला में भाषाविज्ञान, हिंदी, अँगरेज़ी, छत्तीसगढ़ी में स्नातकोत्तर; भाषाविज्ञान, हिंदी, अँगरेज़ी, में एम.फ़िल.; भाषाविज्ञान, हिंदी, अँगरेज़ी में पी-एच.डी.,एवं डिप्लोमा इन इंग्लिश, फ्रेंच तथा सर्टिफिकेट कोर्स इन ट्रॉन्सलेशन का अध्यापन कार्य हो रहा है। विगत वर्षों में विभिन्न राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन विभाग द्वारा किया गया है।

संगोष्ठी का महत्व

भारतीय सभ्यता और संस्कृति आदिकाल से अहिंसा के मार्ग पर चलती आई है। आज के संदर्भ में समाज और संस्कृति में मनुष्य के स्वभाव के बदलाव को परिभाषित करने के लिए गाँधीवाद एक सशक्त उदाहरण एवं माध्यम है। साहित्य समाज को दिशा और दृष्टि प्रदान करता है। अहिंसा एवं सत्य की अवधारणा, आधुनिक युग में गाँधीवाद बन कर उभरती है।

वर्तमान परिदृश्य में मनुष्य को साहित्य के माध्यम से महात्मा गाँधी के विचारों एवं जीवन मूल्यों को आत्मसात करने में यह संगोष्ठी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। हिंदी साहित्य और लोक भाषाओं के विविध पक्षों पर गाँधीवाद के प्रभाव पर प्रकाश डालना संगोष्ठी का मूल उद्देश्य है।

शोध पत्र – राष्ट्रीय संगोष्ठी में प्रतिभागी मौलिक शोध–पत्र का सारांश एवं शोध–पत्र 2000 शब्दों तक कृतिदेव 010 में टंकित कर ईमेल **literaturelanguage64@gmail.com** पर भेजें। शोध–पत्र हिंदी/अँगरेजी माध्यम में 15 अक्टूबर 2019 तक भेज सकते है। संगोष्ठी के प्रारंभिक दिवस पर उल्लेखित पंजीयन शुल्क एवं शोध–पत्र की हार्ड कॉपी स्वीकार की जायेगी।

पंजीयन शुल्क–

प्राध्यापक	–	1200 ₹
शोधार्थी	–	800 ₹
छात्र एवं छात्राएँ	–	500 ₹

महत्वपूर्ण

- चयनित शोध पत्रों को पुस्तक के रूप में (ISBN No. के साथ) प्रकाशित किया जाएगा। किसी भी शोध पत्र को गुणवत्ता के आधार पर स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार आयोजन समिति को है।
- चयनित शोध पत्रों की संपादित पुस्तक प्राप्त करने हेतु पंजीयन शुल्क के अतिरिक्त **600** ₹ शुल्क (डाक खर्च सहित) देय होगा।
- शोध–पत्र के अंत में अपना पूरा नाम निवास/महाविद्यालय का पता, मोबाइल नं., ई–मेल अवश्य लिखें। इसके अभाव में यदि शोध–पत्र के प्रकाशन में असुविधा होती है, तो आयोजकों का उत्तरदायित्व नहीं होगा।

प्रस्तावित चिंतन बिंदु

- हिंदी साहित्य में गाँधीवाद का प्रभाव
- हिंदी के प्रमुख गाँधीवादी साहित्यकार
- हिंदी कविता में गाँधी दर्शन
- हिंदी उपन्यास में गाँधीवाद
- हिंदी कहानियों में गाँधीवाद
- हिंदी के नाट्य लेखन में गाँधीवाद का प्रभाव
- हिंदी सिनेमा और गाँधी
- आदिवासी हिंदी साहित्य में गाँधीवाद
- वर्तमान संदर्भ में गाँधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता
- छत्तीसगढ़ी साहित्य में गाँधीवाद
- गाँधीवाद और सर्वोदय
- गाँधी और स्वावलंबन
- गाँधी – शुचिता और स्वच्छता
- गाँधी एवं चंपारण्य
- गाँधी एवं सविनय अवज्ञा आंदोलन
- गाँधी एवं असहयोग आंदोलन
- अध्यात्म एवं गाँधी दर्शन
- गाँधीवाद एवं नारी शिक्षा
- उच्च शिक्षा एवं गाँधी चिंतन
- भाषा चिंतन एवं महात्मा गाँधी
- गाँधी–साहित्य
- उपभोक्तावाद की संस्कृति एवं गाँधीवाद
- वैश्विक साहित्य एवं गाँधीवाद
- गाँधी एवं सर्व–धर्म समभाव
- भारतीय संस्कृति एवं गाँधी–दर्शन
- गाँधी एवं स्वच्छ भारत अभियान
- गाँधी का समाज चिंतन
- गाँधी एवं आज का परिवेश
- महात्मा गाँधी एवं पत्रकारिता
- हिंदी प्रचार आंदोलन एवं गाँधी
- भारतीय साहित्य एवं गाँधीवाद
- शिक्षा, संस्कृति एवं गाँधी
- अन्य प्रासंगिक विचार बिंदु

राष्ट्रीय संगोष्ठी

त्रि–दिवसीय

22, 23 एवं 24 अक्टूबर 2019

हिंदी साहित्य और गाँधीवाद

पंजीयन-प्रपत्र

नाम.....

पद.....

विभाग .....

जन्मतिथि.....

संस्था(विश्वविद्यालय/महाविद्यालय).....

.....

पत्र व्यवहार का पता

कार्यालयः .....

.....

.....

.दूरभाष/मोबाइल नं. .....

शोध–पत्र का शीर्षक .....

.....

...

.....

आगमन तिथि..... प्रस्थानतिथि.....

घोषणा

मैं घोषणा करता/करती हूँ कि प्रेषित शोध–पत्र मेरा मौलिक कार्य है।

हस्ताक्षर

दिनांक

टीप :–फोटो कॉपी स्वीकार है।